माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
Hindi	4 0 1	English Medium

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का
सरल क्रमांक **B-23**

3776528

[redacted]

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में	–	1	3	5	3	4	9	3	8	4
शब्दों में	–	One	Three	Five	Three	Four	Nine	Three	Eight	Four

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

प्रश्न पत्र का सेट B

क :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 46

ख :– परीक्षा का दिनांक 01 03 2023

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

HIGH SCHOOL EXAMINATION Year - 2023

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Namita Hande	केन्द्राध्यक्ष C. No. 532322

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
Smt. Rani ... V.N.-4...	Pawar दुर्गा नागरे V.N. 13713

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा ...
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांक ... करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्रा... (...में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		3
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में ... कुल प्राप्तांक अंकों में

www.oddyindia.com

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 2 के अंक | कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 1

(i) कबीर

(ii) रीतिवाचक

(iii) प्रभुता का

(iv) भूषण

(v) विनय पत्रिका

(vi) वात्सल्य

प्रश्न 2

(i) 3

(ii) कंचन छंदा

(iii) वल्लभाचार्य

(iv) 16

(v) 3 [महाकाव्य , खण्डकाव्य , आख्यानक गीत]

(vi) मोतीलाल

BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न 3

(i) गद्य की प्रमुख विधाएँ → निबंध

(ii) लखनवी अंदाज → यशपाल

(iii) अंधे की लाठी → एक मात्र सहारा

(iv) मैं क्यों लिखता हूँ → अज्ञेय

(v) कामायनी → जयशंकर प्रसाद

(vi) मानवीं क्रियाओं का आरोप → मानवीकरण

BSE www.oddyindia.com

प्रश्न 4

(i) एक अनार सौ बीमार →
(अनार) फल एक ही है परंतु उसे खाने वाले कई लोग है।

(ii) भोलानाथ के पिताजी गंगा में आटे की पाँच सौ [500] गोलियाँ प्रवाहित करते थे।

(iii) कवि निराला ने बादलों की तुलना कवियों से की है

(iv) रस के चार अंग होते है :→
(1) स्थायी भाव (2) विभाव
(3) अनुभाव (4) संचारी भाव

(v) गद्य की तीन गौण विधाएँ :-

1) जीवनी

2) आत्मकथा

3) रेखाचित्र

4) संस्मरण

(vi) समास के छः भेद होते हैं :-

1) तत्पुरुष समास

2) कर्मधारय समास

3) द्विगु समास

4) द्वन्द्व समास

5) बहुव्रीहि समास

6) अव्ययीभाव समास

प्रश्न 5

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) असत्य

(iv) सत्य

(v) असत्य

(vi) सत्य

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 6

मन्नू भंडारी

(i) दो रचनाएँ :-

1) आपका बंटी
2) महाभोज
3) त्रिशंकु

(ii) भाषा - शैली :-

(1) मन्नू भंडारी की भाषा सरल, सहज व स्वाभाविक है।
(2) इन्होंने अपनी रचनाओं में तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी आदि शब्दों का प्रयोग किया है।
(3) इन्होंने अपनी रचनाओं में मुहावरे तथा लोकोक्तियों का बहुलता से प्रयोग किया है।
(4) इनकी भाषा में प्रमाणिकता दिखाई देती है।

शैली → एक कहानी यह भी इन्होंने आत्मपरक शैली में लिखी है।

BSE

ST-16 A4

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न 7 (अथवा)

~~लेखिक~~
लेखिका के पिता जी के अनुसार किसी भी लड़की को रसोईघर तक सीमित कर देना उसकी प्रतिभा को कुंठित करना है। हर लड़की को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिलना चाहिए। लेखिका के पिताजी के अनुसार रसोईघर एक ऐसा भटियारखाना है जहाँ भट्टी के साथ - साथ लड़की की प्रतिभा और उसकी योग्यताएँ भी जलकर खत्म हो जाती हैं। आशय यह है कि किसी भी लड़की को रसोईघर तक सीमित नहीं करना चाहिए।

प्रश्न 8. (अथवा)

वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति वह है जिसने अपनी बुद्धि विवेक व योग्यताओं की सहायता से किसी नए तथ्य का आविष्कार किया हो तथा उस तथ्य के दर्शन किए हों।

उदाहरण :-
न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत की खोज की इसलिए वह संस्कृत व्यक्ति कहलाते हैं।
न्यूटन के सिद्धांत को जानने के बाद, न्यूटन से भी अधिक ज्ञान स रखने वाले न्यूटन की तरह संस्कृत नहीं कहे जा सकते।

MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

क्र.

प्रश्न 9 प्रश्न 9 (अथवा)

पंचवटी → पाँच वाटिकाओं का समूह → द्विगु समास

नीलाम्बर → नीला है जो अम्बर → कर्मधारय समास

प्रश्न 10 (अथवा)

लेखक हिरोशिमा की घटनाओं के बारे में सुनकर तथा उसके कुप्रभावों को प्रत्यक्ष रूप से देखकर भी विस्फोट का भोक्ता नहीं बन पाया। परंतु जब उसने एक व्यक्ति की छाया एक पत्थर पर देखी तो सारा दृश्य उसकी आँखों के सामने साकार हो उठा। इस प्रकार लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता महसूस किया।

प्रश्न 11 (अथवा)

:- रीतिकाल की विशेषताएँ :→

1) श्रृंगार रस की प्रधानता :-

रीतिकाल के कवियों ने अपनी रचनाओं में श्रृंगार रस का अधिक प्रयोग किया है। इसलिए इस काल को श्रृंगारकाल भी कहा जाता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

2) अलंकारों का प्रयोग :→
रीतिकाल के कवियों ने अपनी कविताओं में अलंकारों का प्रयोग किया है। जैसे — अनुप्रास, उपमा, रूपक आदि।

3) ~~छंद~~ ~~छंदों~~

प्रश्न 12.

सूरदास

(i) दो रचनाए :→
(i) सूर-सागर
(ii) सूर सारावली
(iii) साहित्य लहरी

(ii) भाव पक्ष :→

(1) सूरदास जी के आराध्य देव श्री कृष्ण है। ~~इस~~ सूरदास जी की रचनाओं में श्री कृष्ण के प्रति उनके ~~क~~ भक्ति के भाव देखने को मिलते है।

(2) उन्होंने ~~अपनी~~ अपनी रचनाओं में श्री कृष्ण के बाल रूप का बड़ा ही सुंदर वर्णन किया है।

(3) उन्होंने अपनी रचनाओं में श्री कृष्ण के प्रति गोपियों के जो प्रेम के भाव है उन्हे बड़ी ही सुंदरता से प्रस्तुत किया है।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न 13 (अथवा)

परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए निम्नलिखित तर्क दिए :-

(1) यह धनुष पुराना होने के कारण छूते ही टूट गया।

(2) हमने बचपन में कई धनुष तोड़े हैं, तब तो आपने कभी क्रोध नहीं किया। फिर इस धनुष के टूट जाने पे इतना क्रोध क्यों?

राम ने तो इस धनुष का हाथ ही लगाया था और यह टूट गया।

प्रश्न 14

कविता का शीर्षक 'उत्साह' इसलिए रखा गया क्योंकि ~~इ~~ यह बादलों की गर्जन तथा उनके ~~म~~ उमड़-घुमड़ से मेल खाता है। कवि अपेक्षा करता है कि बादलों की ~~म~~ आवाज़ सुनकर लोग अपनी निराशा को छोड़ देंगे तथा उत्साहित हो उठेंगे। बादलों की आवाज़ को सुनकर लोग अपने दुखों को भूलकर उत्साहित हो जाएंगे। अतः इन कारणों की वजह से कविता का शीर्षक उत्साह रखा गया ~~है~~ है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न 15

:- खण्ड काव्य की विशेषताएँ :→

(1) खण्ड काव्य में किसी व्यक्ति के जीवन की एक घटना का चित्रण होता है।

(2) खण्डकाव्य का कलेवर सीमित होता है।

(3) इसमें केवल एक छंद का प्रयोग किया जाता है।

B
S
E

खण्डकाव्य में श्रृंगार, शांत, वीर आदि रसों की प्रधानता होती है।

प्रश्न 16

→ <u>चौपाई</u> :→
चौपाई एक सम मात्रिक छंद है। इसके प्रत्येक चरण में 16 - 16 मात्राएँ होती हैं।

उदाहरण :→
मंगल भवन अमंगल हारी।
द्रवउ सुदशरथ अजिर बिहारी।

(11)

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 11 के अंक | कुल अंक

MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न 17

	कहानी	उपन्यास
1)	कहानी में किसी व्यक्ति के जीवन की किसी एक घटना का वर्णन होता है।	1) उपन्यास में किसी व्यक्ति के ~~सं~~ ~~सूं~~ संपूर्ण जीवन का वर्णन होता है।
2)	कहानी में एक कथा होती है।	2) उपन्यास में एक मुख्य कथा के साथ अन्य प्रासंगिक कथाएँ भी होती हैं।
	उदाहरण :- प्रेमचन्द → दो बैलों की कथा	3) उदाहरण :- प्रेमचन्द → गबन, गोदान

प्रश्न 18

मूर्ति ---- - - - - - - - - - - प्रयास था।

संदर्भ :-
प्रस्तुत ~~में~~ गद्यांश ~~म~~ हमारी पाठ्य पुस्तक क्षितिज भाग - 2 के 'नेताजी का चश्मा' से ली गई है, जिसके लेखक स्वयं प्रकाश ~~-~~ जी हैं।

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

→ प्रसंग :→
प्रस्तुत गद्यांश में नेताजी सुभाषचन्द्र ~~घोष~~ बोस की मूर्ति का रेखाचित्र प्रस्तुत किया है।

→ व्याख्य :→
प्रस्तुत गद्यांश में लेखक नेताजी की मूर्ति के बारे में बताते हुए कहते है कि नेताजी की मूर्ति संगमरमर से बनी हुई है।
लेखक कहते है कि टोपी की नोंक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फुट ऊँची। जिसे कहते हैं बस्ट अर्थात नेताजी की मूर्ति दो फुट ऊँची थी। मूर्ति बहुत ही सुंदर थी और नेताजी भी सुंदर लग रहे थे। मूर्ति को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था की नेताजी मासूम और कमसिन है। मूर्ति में उन्होंने फौजी की वर्दी पहनी हुई थी। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो ...' आदि नारे याद आने लगते थे। लेखक कहते है कि यह सफल और सारहनीय प्रयास था।
सराहनीय

विशेष :→
प्रस्तुत ~~गद्यांश~~ गद्यांश ~~से~~ में हमें देशभक्ति व देशप्रेम की भावना का व्यक्त किया है।

B
S
E

MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्र. क्र.

प्रश्न - 20

हमारैं हरि - - - - - - - मन चकरी ।

संदर्भ :-
प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक क्षितिज भाग 2 के पद से ली गई है, जिसके कवि श्री सूरदास जी है।

प्रसंग :-
प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने गोपियों की श्री कृष्ण के प्रति जो प्रेम है, उसी का वर्णन किया है।

व्याख्या :-
प्रस्तुत पंक्तियों में गोपियाँ अपनी तुलना हारिल पक्षी से करते हुए कहा है कि जिस प्रकार हारिल पक्षी लकड़ी को पकड़ कर रखता है उसी प्रकार हमने श्री कृष्ण को पकड़ कर रखा । हम सोते - जागते, दिन - रात यहाँ तक की स्वप्न में भी श्री कृष्ण का नाम रटती रहती है । गोपियों को योग संदेश कड़वी ककड़ी के समान लगता है । गोपियाँ उद्धव से कहती है कि उद्धव तुम हमारे लिए ऐसी बिमारी लेकर आए हो जो हमने न तो कभी देखी थी और न ही सुनी थी । उद्धव तुम यह योग का संदेश उन लोगों को दो जिनका मन चकरी की तरह घुमता रहता है अर्थात जिनका मन चंचल है ।

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16
Oddy

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

काव्य - सौन्दर्य :-

(1) 'हमारैं हरि हारिल की लकरी'।
इस पंक्ति में अनुप्रास अलंकार का प्रयोग किया गया है। (ह वर्ण की आवृत्ति।

'कान्ह - कान्ह रूक री'।
इस पंक्ति में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार का प्रयोग किया गया है।

S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न 21

सेवा में,
~~प्रधान~~
नगरपालिका अध्यक्ष
इन्दौर (म.प्र.)

विषय :- मोहल्ले की नियमित सफाई के संबंध में आवेदन पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपका ध्यान मोहल्ले की सफाई संबंधी दुर्व्यवस्था की ओर खींचना चाहती हूँ। मोहल्ले में गंदगी बढ़ती जा रही है जिसके परिणाम स्वरूप मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। नालियों में से गंदी बदबू आ रही है। कृपया आप मोहल्ले की सफाई का प्रबन्ध करें। मुझे आशा है कि आप मोहल्ले की नियमित सफाई का प्रबन्ध करेंगे।

धन्यवाद
भवदीय
क.ख.ग.
दिनांक :- 1/03/23

प्रश्न क्र.

प्रश्न २२. निबंध

पर्यावरण प्रदूषण

रूपरेखा :-

1) प्रस्तावना
2) प्रदूषण क्या है ?
3) प्रकार
~~4) कारण~~
4) प्रदूषण की समस्या का निदान
5) उपसंहार

B S E

1) प्रस्तावना :- पृथ्वी पर प्रदूषण की समस्या बढ़ती जा रही है। ~~भी~~ प्रगति व भौतिकवाद की दौड़ में मानव पर्यावरण को दूषित करता जा रहा है। पर्यावरण के दूषित होने के कारण प्राणियों की कई प्रजातियाँ लुप्त हो गई और कुछ लुप्त होने की कगार पर है। पर्यावरण को स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है। सरकार द्वारा पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए कई नियम भी बनाए गए है। परंतु कुछ लोग उन नियमों का पालन नहीं करते और पर्यावरण को दूषित करते है।

Laser, Inkjet & Copier Label ST-10...

6

क अंक कुल अंक

मध्यप्रदेश

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

2) प्रदूषण क्या है? :-

पर्यावरण में दूषक पदार्थों के आने से ~~जो~~ प्राकृतिक संतुलन में जो दोष उत्पन्न होते हैं, उसी को प्रदूषण कहा जाता है।

3) प्रकार :-

प्रदूषण चार प्रकार के होते हैं :-

(1) वायु प्रदूषण
(2) जल प्रदूषण
(3) थल प्रदूषण
(4) ध्वनि प्रदूषण ध्वनि ध्वनी

(i) वायु प्रदूषण :-

वायु के दूषित हो जाने को ही वायु प्रदूषण कहते हैं। वायु के दूषित होने के कई कारण हैं जैसे पेड़ों को काटना। पेड़ों को काटने से वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा बढ़ती जा रही है। पेड़ - पौधे प्राणवायु का स्त्रोत हैं। पेड़ - पौधे के कटने से ~~ऑक्सी~~ वातावरण में प्राणवायु अर्थात ऑक्सीजन की मात्रा कम होती जा रही है। कारखानों से निकलता धुँआ, गाड़ियों से निकलता धुँआ आदि से वायु ~~का~~ में जहरीली गैसों की मात्रा बढ़ती जा रही है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(2) जल प्रदूषण :→
नदियों का पानी दूषित होता जा रहा है। कारखानों द्वारा बहाया हुआ गंदा पानी नदियों में मिलकर पानी को दूषित कर रहा है। अन्य बहुत से कारण है जिसके कारण पानी दूषित हो रहा है।

(3) थल प्रदूषण :→
आजकल थल प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है। किसान कीट-नाशक दवाईयों का प्रयोग करते है जिससे जमीन की उपजाउ शक्ति कम होती जा रही है। किसान ज्यादा फसल उत्पादन करने के लिए रसायनिक खाद्य का उपयोग कर रहे है जिससे थल प्रदूषण बढ़ रहा है।

BSE

(4) ध्वनि प्रदूषण :→
गाड़ी बस, कार रेल हवाईजाहज आदि से निकले वाली आवाजें ध्वनि प्रदूषण फैला रही है। इन आवाजों से कई प्रकार के रोग भी हो सकते है जैसे कानों की सुनने की क्षमता में कमी आ जाती है। आजकल शादियों में देर रात तक लाउड-स्पीकर बजाए जाते है जिसके कारण आस-पास के लोग बहुत परेशान परेशान हो जाते है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

4) प्रदूषण की समस्या का निदान :-

प्रदूषण को रोकने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए जिससे वातावरण में ऑक्सीजन एवं कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा में संतुलना बना रहे। ~~क~~ गाड़ी, कार, आदि का कम से कम उपयोग करना चाहिए। सरकार द्वारा बनाए ~~क~~ गए नियमों का पालन करना चाहिए। रासायनिक पदार्थों का ~~क~~ कम से कम उपयोग करना है। ऐसे उपकरणों का प्रयोग करें जिससे ध्वनि प्रदूषण कम हो।

B
S
E

5) उपसंहार :-

हर नागरिक को प्रदूषण कम करने में अपना ~~सोम्यदान~~ योगदान देना होगा वरना पृथ्वी पर जीवन जीना मुश्किल हो जाएगा। ~~यदि~~ पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो हम सुरक्षित रहेंगे।

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न 23 (अथवा)

(ii) ~~'लक्ष्य प्राप्ति में आने वाली रुकावटें'~~

(i) 'श्रम का महत्व'

(ii) श्रम को कवि ने अमूल्य धन कहा है।

'राजा प्रजा नहीं कुछ होता' से आशय है कि श्रम राजा के द्वारा भी किया जाता है और प्रजा के द्वारा भी किया जाता है इसलिए दोनों ही समान है।

प्रश्न 19 (अथवा)

बढ़ती महँगाई ------ संवाद लिखिए।

ग्राहक → यह साबुन कितने का दिया ?

~~कि~~ मालिक → 20 रुपये का।

ग्राहक → अरे बाप रे! और एक लीटर तेल कितने का है ?

मालिक → 120 रुपये का।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

श्न क्र.

→ ग्राहक → हे भगवान ! महंगाई कितनी बढ़ती जा रही है।

→ मालिक → आपने सही कहा।

~~पहले के जमाने में जो समाने~~ ~~एक आने था दो आने~~

→ ग्राहक → पता नहीं कब तेल के दाम कम होंगे ?

→ मालिक → तेल के दाम कम होना तो दूर की बात है।

→ ग्राहक → सही कहा आपने।

→ मालिक → ~~मंह~~ महंगाई के बढ़ने से आम आदमी का जीना मुश्किल हो गया है।

→ ग्राहक → लोग दो वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं।

→ मालिक → अब तो भगवान ही हमें इस महंगाई से बचा सकता है।

BSE